(क) क्या यह सच है कि नक्सलियों द्वारा नक्सल प्रभावी राज्यों में बारूदी सुरंगों के हमले को सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या मंत्रालय ने नक्सली हमलों का मुकाबला करने हेतु उच्च तकनीकी वाले उपस्कर विकसित किए हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या मंत्रालय बारूदी सुरंगों के हमले से निपटने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का आयात करने की योजना बना रहा है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जितेन्द्र सिंह)

**(क) : जी, हाँ। ऐसे उदाहरण हैं जहाँ नक्सलियों ने बारुदी सुरंगें बिछाई और उनका प्रयोग वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के विरूद्ध किया।**

**(ख) एवं (ग) : सुरक्षा बलों को बारुदी सुरंगों तथा इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज (आई ई डी) का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए नॉन लाइनर जंक्शन डिटेक्टर (एन एल जे डी), ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जी पी एस), एक्सप्लोसिव डिटेक्शन किट और डीप सर्च माइन/मेटल डिटेक्टर (डी एस एम डी) जैसे आधुनिक उपकरण मुहैया कराए जाते हैं। वे विस्फोटकों का पता लगाने के लिए डॉग स्क्‍वायडों की सेवाओं का भी प्रयोग करते हैं। भारत सरकार पुलिस बलों की आधुनिकीकरण योजना के माध्यम से इस क्षेत्र में क्षमता संवर्धन पर निरन्तर ध्यान दे रही है।**